



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 8]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 7, 2009/पौष 17 1930

No. 8]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 7, 2009/PAUSA 17, 1930

वस्त्र मंत्रालय

(हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय)

संकल्प

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 2009

संख्या 1/55/2000-डीसीएचएल/समन्वय/एआईएचबी.—

भारत सरकार के संकल्प संख्या 1/55/2000-डीसीएच/समन्वय/एआईएचबी. दिनांक 30 जुलाई, 2008, 27 अगस्त, 2008, 2 सितम्बर, 2008, 11 सितम्बर, 2008, 16 सितम्बर, 2008, 23 सितम्बर, 2008, 21 अक्टूबर, 2008, 4 नवम्बर, 2008, 26 नवम्बर, 2008, 1 दिसम्बर, 2008, 10 दिसम्बर, 2008 और 26-12-2008 में आंशिक संशोधन करते हुए को निम्नलिखित व्यक्तियों को अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड में गैर-सरकारी सदस्य के रूप में तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया है :

1. श्री राम अवतार बी. जजोदिया,
नं. 5, मेघमल्हार कॉम्प्लेक्स,
जनरल ए. के. वैद्य मार्ग,
गौरेगांव (ईस्ट), मुम्बई
2. श्री श्याम साधूराम अग्रवाल,
अग्रवाल बिल्डिंग, गावली नगर,
भौसारी, पूणे-411039 (महाराष्ट्र)
3. श्री गजराज सिंह नागर,
नागर निवास, सैक्टर 72,
तहसील निमका, जिला फरीदाबाद, (हरियाणा)
4. श्री दिलीप विश्वनाथ पाटिल,
बाल गांव, पोस्ट राहानल,
तह. भिवंडी, जिला थाने (महाराष्ट्र)

बोर्ड के उपर्युक्त सदस्य हथकरघा क्षेत्र के लिए समग्र विकास कार्यक्रम बनाने में सरकार को सलाह देंगे। उपर्युक्त सदस्य की पदावधि बोर्ड की समयावधि के समवर्ती अर्थात् 30 जुलाई, 2008 से दो वर्ष की होगी।

यह बोर्ड हथकरघा क्षेत्र के समाज-आर्थिक, सांस्कृतिक और कलात्मक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र के समग्र विकास कार्यक्रम तैयार करने में सरकार को सलाह देगा। यह बोर्ड विशेष रूप से निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सलाह देगा :—

- (i) देश की कपड़े की आवश्यकता को अधिकाधिक हथकरघा क्षेत्र से पूरा करना।
- (ii) बुनकरों में बेरोजगार और अल्परोजगार को कम करने और उनके रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने के लिए हथकरघा क्षेत्र को और अधिक प्रभावी बनाना।
- (iii) हथकरघा की शिल्प परम्परा को बनाए रखना और इसमें अधिक सुधार करना।
- (iv) देश और विदेशों में हथकरघा वस्त्रों के विपणन में वृद्धि करने के लिए कार्य योजना बनाना।
- (v) इस क्षेत्र के लिए विभिन्न राज्य सरकारों, केन्द्र शासित क्षेत्रों के विकासात्मक प्रयत्नों में समन्वय स्थापित करने के लिए कदम उठाना।
- (vi) समय-समय पर इस उद्योग के विकास में हुई प्रगति की समीक्षा करना।

बी. के. सिन्हा, संयुक्त सचिव
एवं विकास आयुक्त (हथकरघा)

MINISTRY OF TEXTILES
(Office of the Development Commissioner
for Handlooms)

RESOLUTION

New Delhi, the 2nd January, 2009

No. 1/55/2000-DCHL/Coordn/AIHB.—In partial modification of Government of India's Resolution No. 1/55/2000-DCH/Coordn/AIHB dated 30th July, 2008, 27th August, 2008, 2nd September, 2008, 11th September, 2008, 16th September, 2008, 23rd September, 2008, 21st October, 2008, 4th November, 2008, 26th November, 2008, 1st December, 2008, 10th December, 2008 and 26th December, 2008 the following persons have been appointed as Non-Official Members in the All India Handloom Board with immediate effect :

1. Shri Ramawatar B. Jajodia,
Vill. No. 5, Megh Malhar Complex,
Gen. A.K. Vaidya Marg,
Goregaon (East), Mumbai.
2. Shri Shyam Saduram Agarwal,
Agarwal Bldg., Gawli Nagar,
Bhosari, Pune-411 039
(Maharashtra)
3. Shri Gajraj Singh Nagar,
Nagar Niwas, Sector-72,
Tehsil-Nimka, Distt. Faridabad,
(Haryana)
4. Sh. Dilip Vishwanath Patil,
Bal Village, Post Rahanal,
Tal-Bhiwandi, Distt. Thane,
(Maharashtra).

The above newly appointed Members of the Board would advise the Government in the formulation of overall development programme in the Handloom Sector. The term of Office of the above Members will be concurrent with the term of the Board i.e. a period of two years from 30th July, 2008.

The Board will advise the Government in the formulation of the overall development programme in the handloom sector keeping in view socio-economic cultural and artistic perspective. In particular, the Board will advise the Government regarding achievement of the following objectives :—

- (i) to meet the clothing needs of the country progressively from the handloom sector;
- (ii) to make handlooms an effective instrument of reducing unemployment and under employment and achieving higher standard of living for weavers;
- (iii) to preserve and further promote the craft heritage of our handlooms.
- (iv) to devise strategies for expanding markets for handlooms within the country and abroad;
- (v) to take steps for effective coordination of the developmental efforts of the various State Government/Union Territories in this sector; and
- (vi) to review the progress of development from time to time.

B. K. SINHA, Jt. Secy.
& Development Commissioner (Handlooms)